

आदित्य प्रसाद रायचन्द वाटवानी

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 889/III/2014

जिला रीवा

स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों
के हस्ताक्षर

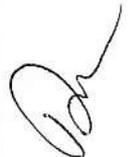
9.4.2014

यह निगरानी तहसीलदार हुजूर जिला रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 6/ए-12/13-14 में पारित आदेश दिनांक 13-1-14 के विरुद्ध म.प्र.भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ आवेदक के अभिभाषक को निगरानी की ग्राह्यता पर सुना गया। उन्होंने बताया कि ग्राम चोरहटा स्थित भूमि खसरा नंबर 449/4 रकबा 0.405 हैक्टर के सीमांकन हेतु आवेदन अनावेदक क्रमांक 1 ने दिया था जिसमें आवेदक को पक्षकार नहीं बनाया गया एवं म0प्र0शासन को पक्षकार बनाया गया। जानकारी होने पर आवेदक ने आपत्ति आवेदन दिया। राजस्व निरीक्षक सीमांकन हेतु न तो खेत पर गये और न ही उन्होंने जरीब डालकर नप्ती की, अपितु गलत नक्शे के आधार पर पटवारी ने मनमाने तौर पर सीमांकन रिपोर्ट बना ली जिसे तहसीलदार ने स्वीकार करने में भूल की है। एक चाय का दुकान पर स्थल निरीक्षण पंचनामा बनाया गया है, इसलिये निगरानी ग्राह्य की जाकर अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख प्राप्त किया जावे।

3/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं तहसीलदार के आदेश दिनांक 13-01-14 के अवलोकन पर पाया गया कि आवेदक ने भूमि के सीमांकन न किये जाने हेतु तहसीलदार के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति की है कि वादग्रस्त भूमि पर व्यवहार वाद लंबित है यदि सीमांकन किया गया तो स्थिति प्रभावित होगी, जबकि आवेदक का व्यवहार वाद निरस्त हो चुका है तथा तहसीलदार द्वारा राजस्व निरीक्षक को वादग्रस्त भूमि का सीमांकन कराकर आवेदक एवं अनावेदक को सुनने के वाद सीमांकन को अंतिमता प्रदान की है, जिसमें किसी प्रकार का दोष नजर नहीं आता है। सीमांकन से यदि आवेदक की भूमि प्रभावित होने का प्रश्न है ? आवेदक स्वयं की भूमि का सीमांकन कराने हेतु स्वतंत्र है।

4/ उपरोक्त कारणों से निगरानी सारहीन पाये जाने से अमान्य की जाती है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।


सदस्य

